राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल की अध्यक्षता में राजभवन में कुलपतियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई

पटना, 13 नवम्बर 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में आज राजभवन सभा–कक्ष में राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की एक उच्चस्तरीय समीक्षा–बैठक आयोजित की गई; जिसमें अपर मुख्य सचिव (शिक्षा) श्री आर॰के॰ महाजन, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा सहित राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में सभी कुलपति ऐसे अनुभवी शिक्षाविद् हैं, जो बिहार में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता–विकास के प्रयासों को तेज करने में अपना भरपूर योगदान दे सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि राजभवन भी उच्च शिक्षा के विकास के निर्धारित एजेन्डे को गति देने में अपना पूरा सहयोग करेगा।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि जिन कुछेक विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं के आयोजन में विलम्ब हुआ है, वे सभी आगामी जून 2020 के पूर्व अपने यहाँ की लंबित सभी परीक्षाएँ संपन्न कराते हुए अकादमिक एवं 'परीक्षा कैलेण्डर' का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें।

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में परीक्षाएँ ससमय एवं पूर्णतः कदाचारमुक्त आयोजित होनी चाहिए; ताकि कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति अधिकाधिक रूप से सुनिश्चित करायी जा सके। उन्होंने कहा कि 'बायोमैट्रिक उपस्थिति उपकरणों' का सफलतापूर्वक प्रयोग होना चाहिए। राज्यपाल ने निदेशित किया कि सभी विश्वविद्यालयीय विभागों एवं महाविद्यालयों में यू॰जी॰सी॰ के प्रावधान के अनुरूप शिक्षकों की प्रत्येक दिन 5 घंटे एवं साप्ताहिक 40 घंटे की आवश्यक उपस्थिति संबंधित शिक्षण संस्थाओं में सुनिश्चित करायी जाये।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को 'नैक प्रत्ययन' पर पूरा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन महाविद्यालयों का नैक–प्रत्ययन हो चुका है, उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार के लिए प्रयास करना चाहिए। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों के सभी प्रतिष्ठित महाविद्यालयों को 'एन॰आई॰आर॰एफ॰ रैंकिग' में बेहतर प्रदर्शन के लिए भी प्रयास करना चाहिए; ताकि राज्य में उच्च शिक्षा विकसित हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शोध की गतिविधियों को विकसित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हाल में सभी विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में प्रतिभाशाली युवा शिक्षकों की नियुक्तियाँ हुई हैं, उन्हें तथा विश्वविद्यालय के शोधार्थियों को मिलकर शोध–कार्यों को गुणवत्तापूर्ण बनाना चाहिए।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक माहौल सकारात्मक बनाये जाने के साथ–साथ आधुनिक युग की माँग के अनुरूप शिक्षण–व्यवस्था को आधुनिकीकृत किया जाना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के 'डिजिटलीकरण' की प्रक्रिया को भी तेज करने का निदेश दिया।

बैठक में राज्यपाल श्री चौहान ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के '150वें जयंती वर्ष' में युवा विद्यार्थियों को गाँधी के जीवन–दर्शन के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से 'वाद–विवाद' एवं 'क्वीज प्रतियोगिता' अन्तर्विश्वविद्यालयीय स्तर पर आयोजित कराने का भी निदेश दिया। क्वीज प्रतियोगिताएँ पहले महाविद्यालय स्तर पर तथा उसके बाद चयनित विद्यार्थियों को आमंत्रित कर अन्तर्विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होंगी। जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा गाँधी के जीवन–दर्शन पर 'अन्तर्विश्वविद्यालयीय क्वीज प्रतियोगिता' तथा बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर 'अन्तर्विश्वविद्यालयीय वाद–विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन करायेगा। इसी तरह, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय 'नई शिक्षा नीति' पर राष्ट्रीय सेमिनार तथा मुंगेर विश्वविद्यालय 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' (28 फरवरी) के अवसर पर राज्य के ग्रामीण एवं प्रतिभावान अन्वेषकों की प्रदर्शनी आयोजित करेगा। वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा को उच्च शिक्षा के विकास पर राष्ट्रीय कांफ्रेन्स कराने का दायित्व दिया गया। राज्यपाल ने कौशल–विकास पर भी सेमिनार कराने को निदेश दिया। उन्होंने राज्य के अंगीभूत महाविद्यालय के प्राचार्यों की कार्यशाला भी आयोजित कराने को कहा। बैठक में राज्यपाल ने 'नैक' के पदाधिकारियों को बुलाते हुए विश्वविद्यालय के 'नैक' के नोडल पदाधिकारियों तथा 'मास्टर ट्रेनरों' को भी प्रशिक्षित कराने का निदेश दिया।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों को अपना 'प्रोस्पेक्टस' प्रकाशित करते हुए इसे अपने वेबसाईट पर भी डालना चाहिए।

राज्यपाल ने निदेशित किया कि 'RUSA', 'UGC', 'CSIR' आदि केन्द्रीय एजेन्सियों से अधिकाधिक वित्तीय सहायता प्राप्त करने के उद्देश्य से विशेषज्ञों को बुलाकर एक सेमिनार या कार्यशाला भी आयोजित की जाये, ताकि उसके जरिये ज्ञान और अनुभव प्राप्त कर राज्य के विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों का तेजी से विकास हो सके।

राज्यपाल ने बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में एकरूपता लाने तथा उनमें नामांकन, आधारभूत–संरचना–विकास एवं निर्धारित मानदंडों में मानकीकरण हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का भी निदेश दिया।

राज्यपाल ने 'University Management Information System' तथा 'National Academic Depository' की सम्यक् व्यवस्था कार्यान्वित करने का भी निदेश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को यथाशीघ्र 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी' में निबंधित हो जाना चाहिए ताकि वे ज्ञान–विज्ञान की आधुनिक बातों से लाभान्वित होते रहें। राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों में तत्काल एक आई॰टी॰ मैनेजर एवं दो प्रोग्रामरों के पदों को सृजित करने हेतु भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा ताकि डिजीटलीकरण की प्रक्रिया तेज हो सके।

आगे पृष्ठ...3 पर

बैठक में राज्यपाल–सह–कुलाधिपति ने निदेशित कार्यों की कार्यान्वयन–स्थिति की सतत् समीक्षा कुलसचिवों की बैठक बुलाकर करते रहने के लिए अपर मुख्य सचिव श्री मेहरोत्रा को निदेशित किया।

बैठक में विचार व्यक्त करते हुए अपर मुख्य सचिव (शिक्षा) श्री आर॰के॰ महाजन ने कहा कि कॉलेजों को मान्यता प्रदान करने की अनुशंसा पूर्ण रूप से प्रावधानों के अनुरूप ही की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आबंटित राशियों के उपयोगिता प्रमाण–पत्र भी ससमय भेजे जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय रोस्टर क्लीयरेंस कराते हुए अपने यहाँ की शिक्षकों की रिक्तियों को अविलंब शिक्षा विभाग को सूचित कर दें ताकि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति–प्रक्रिया 'बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग' के माध्यम से प्रारंभ करायी जा सके।

राज्यपाल ने बैठक में यथाशीघ्र छात्रसंघ चुनाव संपन्न कराने पर भी जोर दिया ताकि उच्च शिक्षा के विकास में विद्यार्थियों की भी सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

.....